

FORM NO. III

फर्द अहकाम (नियम 26)

अज अदालत _____

मुकाम _____

बनाम _____

किस्म मुकदमा _____


नं. _____

सन् _____

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
-------------	------------------------------------	---



17.5.19

वाद पत्र बाद जांच प्रस्तुत हुआ। वकील वादी उपस्थित। दर्ज रेवेन्यू इब्तदायी किया गया। प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया। पत्रावली देखने तामीली रिपोर्ट एवं जवाब दिनांक 29.5.2019 को पेश हो।


उपखण्ड अधिकारी
डूंगला

29-5-19

पत्रावली पेश हुई। वादी एवं प्रतिवादी ने उपस्थित होकर राजीनामा लेकर वादी व प्रतिवादी के अधिवक्ता द्वारा तयामागित करा स्वरूप लिया गया जिसको शामिल पत्रावली किया जाकर तयामागित किया गया। वादी एवं प्रतिवादी के अधिवक्ता को सुना गया। वादी के बयान लिये जाकर शासिक क्रिये गये। वकील वादी द्वारा बयानों में दस्तावेज सदर्शित कराये गये। पत्रावली का एवं वाद पत्र में वर्णित आराजी के राजस्व रेकार्ड एवं दस्तावेज का अवलीकन कर परीक्षण किया गया तो पाया गया कि दिनांक 29-5-2008 को श्री जगन्नाथ पिला लाख मावी गिवासी शिरोर जी का रकबा है शिरोर रकबावेज से श्री देवीलाल पिला ऊंकादलाल काश्मण गिवासी छापरी ने व श्री वंशीलाल पिला भैया लौधर गिवासी छापरी ने मिलकर आराजी नम्बर 20/27 रकबा 0.2100 हे भूमि कय की गई है। तथा कय सुदा


J. G. G.
Deputy Magistrate
Dungla

(सहायक नवाज खान)

भारजीपर इन दोनों का कब्जा हो काश्त की जा रही है।
किन्तु पटवारी हल्का नेगड़िया द्वारा काम छापरी में खोले
गये नामान्तरण संख्या 610 दिनांक 29-7-2008 को भूखण्ड
कम सुद्धा भूमि को श्री देवीलाल पिता जेकार लाल खडमण
जिवासी छापरी के नाम राजस्व रेकार्ड में अंकित कर दी गई है।
तथा क्रेता श्री बंशीलाल पिता जेरा लौधर जिवासी छापरी
कानाम खरी होने से रह गया। जबकि उक्त भूमि इन दोनों
के द्वारा कृषि की गई है तथा इन दोनों के कब्जे काश्त
में है। अतः मौजा छापरी की भारजी नम्बर 20/27 रकबा
0.2700 हे. भूमि में श्री बंशीलाल पिता जेरा लौधर जिवासी
छापरी को 1/2 हिस्सा का शतदेदार घोषित किया जाता है।
इसी अनुसार राजस्व रेकार्ड में अमलदस्तावेज किया जाये।
दिली पत्र अलग से भर्तिब हो। पत्रावली फेरल सुमार
देकर नम्बर से कम हो।

उपखण्ड अधिकारी,
इंगला